A Web based software to make people aware of Malnutrition has been launched in Azamgarh, Uttar Pradesh by the District Magistrate/ Collector Azamgarh.

Some Snaps

1- News Paper Dainik Jagran 14-March-2015

आजमगढ़ जागरण

वाराणसी, 14 मार्च 2015

'किड-कुपोषण का दर्पण' साफ्टवेयर शुरू

- कुपोषण से निजात के लिए प्रशासन ने भरी उड़ान
- अतिरिक्त मजिस्ट्रेट, डीपीओ व डीआइओ एनआइसी की पहल

आजमगढ़ : आज कुपोषण ने पूरे देश में जहां जाल फैला लिया है वहीं स्थानीय प्रशासन ने कुपोषण को जड़ से समाप्त करने के लिए सराहनीय कदम उठाया है। इसके लिए एक ऐसी उड़ान भरी गई है जो प्रदेश में जनपद में पहली बार लागू होने जा रही है। यह सराहनीय कदम अतिरिक्त मजिस्ट्रेट रितु सुहास, डीपीओ सेराज अहमद व डीआइओ एनआइसी रजनीश श्रीवास्तव ने उठाया है और इस साफ्टवेयर को बनाकर जनपदवासियों को नया तोहफा दिया है।

इसका शुभारंभ जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में किया। बता दें उप्र शासन द्वारा एक नवंबर 2014 को राज्य पोषण मिशन की स्थापना करते हुए प्रदेश को कुपोषण से मुक्त कराने का अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से 0 से पांच वर्ष तक के बच्चों का वजन लेकर ज्ञात किया जा रहा है कि बच्चों में कुपोषण का क्या स्तर है।

इसी के तहत जिलाधिकारी के नेतृत्व वाली टीम एक ऐसा साफ्टवेयर तैयार किया है जिसमें हर ग्राम पंचायत की आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व एएनएम का मोबाइल नंबर सहित डिटेल दिया गया है। सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को वजन करने वाली मशीन भी लगा दी गई है। ऐसे में किसी को कहीं जाने की जरूरत नहीं है बल्कि उनके बच्चों का कुपोषण गांव से ही पता चल जाएगा।

पूरे जनपद भर के कुपोषित व अति कुपोषित बच्चों का आंकड़ा आनलाइन रहेगा। कोई भी अपने क्षेत्र के किसी भी ग्राम पंचायत के एएनएम का मोबाइल नंबर व नाम का पता बैठे-बैठे प्राप्त कर सकता है। इसके लिए प्रशासन की तरफ से जन्म के बाद बालक का कितना वजन होना चाहिए और पांच वर्ष तक कितना वजन सामान्य होना चाहिए। सबका डाटा तैयार किया गया है।

इस ग्रोथ चार्ट तालिका के आधार पर हर कोई जान सकता है कि उसका बच्चा कुपोषित है या नहीं। इसमें लड़के व लड़कियों का अलग-अलग ग्राफ बनाया गया है। कुल मिलाकर जनपद की सभी ग्राम पंचायतों को आनलाइन किया जाना है। इसका उद्देश्य कुपोषण होने से पहले लोग अपने बच्चों की देखभाल करना शुरू कर दें। बच्चों को मां का दूध नियत समय तक पिलाना जरूरी है। इसके अलावे उसके उम्र के हिसाब से पौष्टिक आहार में विटामिन का ध्यान रखना होगा। बच्चे के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी सर्वप्रथम उसके माता-पिता की है। जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने बकायदा प्रोजेक्टर के माध्यम से लोगों को स्थितियों की जानकारी दी।

उन्होंने साफ्टवेयर तैयार करने वाली टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहाकि प्रदेश में इस तरह की पहल अपने जनपद से शुरू हो रही है। इसके जागरुकता के लिए जनपद भर में अभियान छेड़ दिया गया है और सभी ग्राम पंचायतों से सबका डिटेल आनलाइन किया जा रहा है। इस अवसर पर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट रितु सुहास व डीपीओ सेराज अहमद ने कुपोषण के बारें में अग्रिम प्लानिंग की जानकारी दी।

पत्र प्रतिनिधियों से वार्ता करते जिलाधिकारी सुहास एलवाई।

एसएमएस से जानेंगे कुपोषण की जानकारी

आजमगढ़ : नए साफ्टवेयर के लांच होने के बाद हर घर को आनलाइन कर दिया जाएगा। सभी लोगों के घरों पर एसएमएस चला जाएगा कि उनका बच्चा कुपोषित है या नहीं। इसके लिए आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्रतिमाह 0 से पांच वर्ष तक के बच्चों का वजन लिया जाएगा। इसके बाद लोगों को खुद अपने स्वास्थ्य के बारे में नजर रखनी पड़ेगी और समय से लोग बच्चों को कुपोषित होने से बचाएंगे।

कुपोषण से बचाव के उपाय

आजमगढ़ : कुपोषण से बचाने के लिए बच्चों के साफ-सफाई, खान-पान, वजन वृद्धि की निगरानी आवश्यक है। गर्भवती माता के पौष्टिक एवं संतुलित खान-पान, आयरन की गोलियां व नियमित स्वास्थ्य परीक्षण यथा वजन, ब्लड प्रेशर की जांच, हीमोग्लोबिन की जांच अति आवश्यक है। ये सुविधाएं गांव में तैनात एएनएम द्वारा स्वास्थ्य उपकेंद्रों पर निशुल्क प्रदान की जाती है। प्रत्येक गांव में बुधवार या शनिवार को आयोजित ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस के दिन निशुल्क उपलब्ध कराई जाती है।

जनपद में 2744 कुपोषित बच्चे

आजमगढ़ : अतिरिक्त मजिस्ट्रेट रितु सहास ने बताया कि जनपद में कुल दो लाख 29 हजार 50 बच्चों का वजन लिया जा चुका है। इसमें 2744 बच्चे कुपोषित पाए गए है। ऐसे में बच्चों को कुपोषण से बचाव के लिए उनकी योजना मील का पत्थर साबित हो सकती है।

शिशु पर पड़ता है मां के स्वास्थ्य का प्रभाव

विधि सम्मत हो कोटे ...

लालगंज (आजमगढ़) : स्थानीय तहसील परिसर में शुक्रवार को तहसील क्षेत्र के चाकीडीह गांव निवासी प्रवीन सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीणों ने एसडीएम लालगंज को प्रार्थना पत्र देकर गांव में चल रही कोटे की दुकान को विधि सम्मत ...

2- **Rajnish Chandra Srivastava (DIO,NIC Azamgarh) – On spot Malnutrition checking/ Demonstartion.**

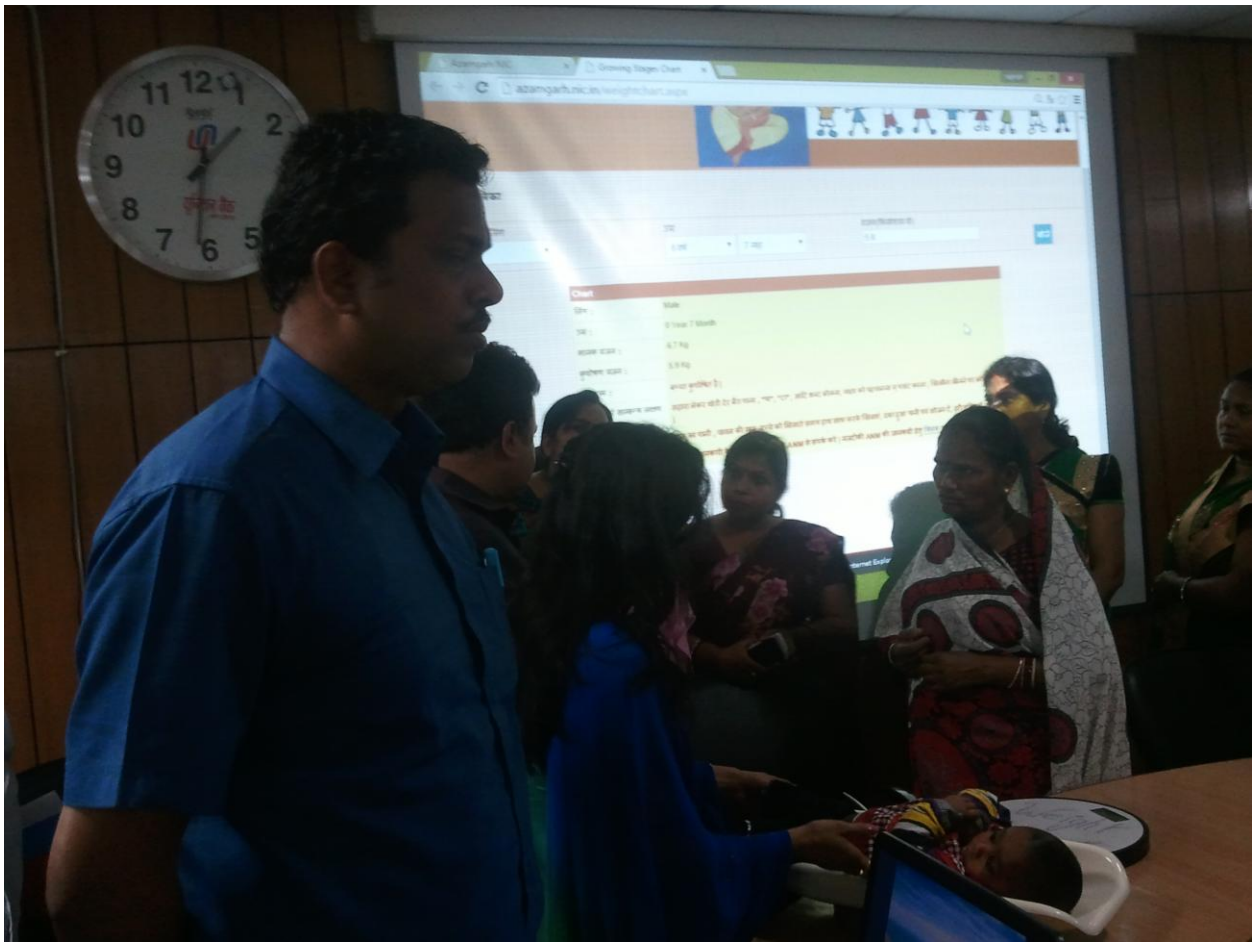

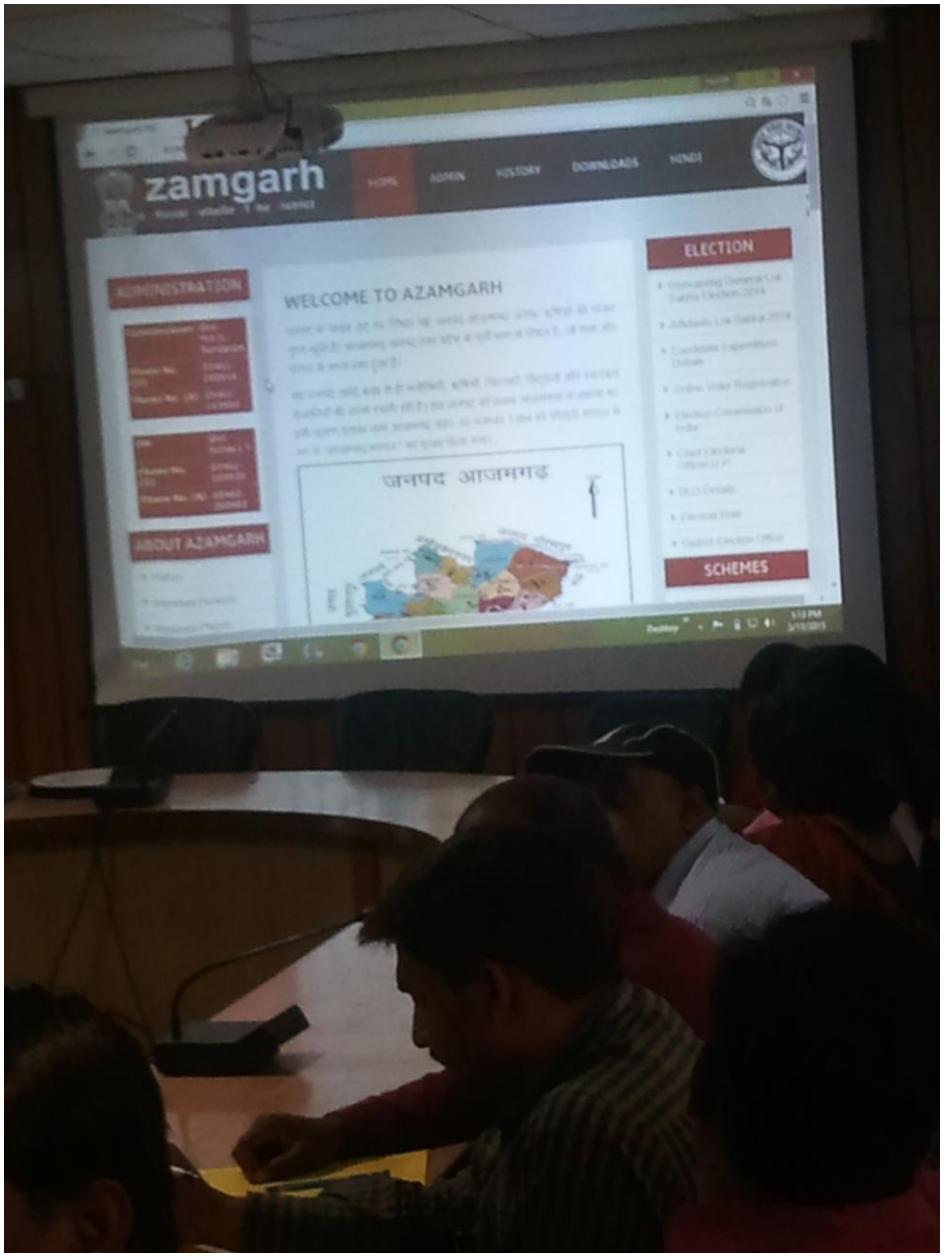

Demonstration in Press Conference

District Magistrate Mr Suhas L.Y. at Inauguration session/ Press Conference.

Media Coverage - Chairperson, Azamgarh Nutrition Mission / Extra Magistrate Mrs Ritu Suhaas.